कोपेनहेगेन में भी पहुंची सौर ऊर्जा की खुशबू

आबूरोड, 14 दिसम्बर, निसं। कोपेनहेगेन में जलवायु परिवर्तन पर चले पर्यावरणविदों तथा पर्यावरण विशेषज्ञों के बीच सिरोही जिले के आबू रोड में स्थित ब्रह्माकुमारीज संस्था को प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिला। इसमें विश्व का सबसे बड़े सौर उर्जा का गौरव प्राप्त कर चुके सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट पर भी चर्चा हुई। भारतीय मूल की ब्रह्माकुमारीज संस्था की यूरोपीय सेवाकेन्द्रों की निदेशिका ब्र0 कु0 जयन्ति तथा सोलार इनर्जी के निदेशक माउण्ट आबू के गोलू पिल्ज ने बदलते हुए पर्यावरण पर मनुष्य की सोच का गहरे प्रभाव से सम्बन्धित का प्रदर्शनी लगाकर पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया।

इस मौके पर कोपेनेहेगेन पर चर्चा करने गये भारतीय सदस्यों के मुखिया विजय शर्मा, 1992 रियो इर्थ शीर्ष सम्मेलन के महासचिव मौरीक स्टांग, नोबेल लैयूरेट वाउगरी माथाई के साथ विश्व के कई देशों से आये प्रतिनिधियों के साथ ब्र0 कु0 जयन्ति तथा गोलू पिल्ज ने चर्चा की। उन्होंने बदलते मौसम के बारे में मनुष्य को स्वार्थ से उपर उठकर लोगों की भलाई के बारे में सोचते हुए पर्यावरण बचाने की अपील की। राजस्थान में सूर्य की किरणों का बेहतर इस्तेमाल कर हजारों लोगों का भोजन बनाने वाले सौर ऊर्जा के बारे में अवगत कराते हुए इससे प्रतिदिन बचने वाले कार्बन के बारे में बताया। जिससे आये विशेषज्ञों ने इसे व्यापक स्तर पर करने का आह्वान किया। ब्रह्माकुमारीज जयन्ति के साथ अन्य सदस्यों की टीम भी उपस्थित थी जो पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य कर रही है।

फोटो 14 एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4 कोपेनहेगेन में पर्यावरण सम्मेलन में दुनियां के भर के विशेषज्ञ, पर्यावरण विशेषज्ञों के चर्चा करती हुई ब्र0 कु0 जयन्ति, जलवायु परिवर्तन पर चर्चा करने गये सदस्यों की मुखिया विजय शर्मा तथा अन्य।